भारत सरकार

जल संसाधन मंत्रालय

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1066

जिसका उत्‍तर 3 दिसम्‍बर, 2012 को दिया जाना है ।

**.....**

**नदियों को जोड़ने की परियोजनाएं**

**1066. डा. ज्ञान प्रकाश पिलानिया :**

क्‍या **जल संसाधन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अंतर-राज्‍यीय और राज्‍यों के भीतर नदियों को जोड़ने की परियोजना की क्‍या स्थिति है ;

(ख) इस महत्‍वाकांक्षी योजना की परिकल्‍पना कब की गई थी, इसकी परियोजना लागत और बढ़ी हुई मौजूदा लागत क्‍या है ;

(ग) इस योजना पर अभी तक कितनी धनराशि खर्च की जा चुकी है ; और

(घ) क्‍या इस अभिशप्‍त योजना के अंतर्गत आज की तारीख तक एक भी हेक्‍टेयर भूमि की सिंचाई नहीं की गई है, एक तिनका घास भी नहीं उगायी गई है और न ही एक भी वॉट बिजली का उत्‍पादन किया गया है ?

**उत्‍तर**

**जल संसाधन मंत्री (श्री हरीश रावत)**

(क) जल संसाधन मंत्रालय (पूर्व में सिंचाई मंत्रालय) ने जल संसाधन विकास के लिए 1980 में राष्‍ट्रीय परिप्रेक्ष्‍य योजना (एनपीपी), जिसके अंतर्गत दो घटक नामत: हिमालयी नदी विकास घटक और प्रायद्वीपीय नदी विकास घटक शामिल हैं, तैयार की थी जिसमें अधिक जल की बेसिनों से जल की कमी वाली बेसिनों/क्षेत्रों, में अन्‍तर बेसिन जल अन्‍तरण की परिकल्‍पना की गई थी । जल संसाधन मंत्रालय के अन्‍तर्गत राष्‍ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्‍ल्‍यूडीए) की स्‍थापना, एनपीपी के प्रस्‍तावों की साध्‍यता स्‍थापित करने और उन्‍हें मूर्त रूप देने हेतु विभिन्‍न तकनीकी अध्‍ययन करने के लिए 1982 में की गई थी । एनडब्‍ल्‍यूडीए ने हिमालयी घटक के अन्‍तर्गत 14 सम्‍पर्कों और प्रायद्वीपीय नदी घटक के अन्‍तर्गत 16 सम्‍पर्कों की पहचान की है जिनका ब्‍यौरा **अनुलग्‍नक-।** में दिया गया है ।

पांच प्रायद्वीपीय घटकों अर्थात (i) केन-बेतवा, (ii) पार्वती-कालीसिंध-चम्‍बल, (iii) दमन गंगा-पिंजाल (iv) पार-तापी-नर्मदा एवं (v) गोदावरी (पोलावरम)-कृष्‍णा (विजयवाड़ा) को उनकी विस्‍तृत परियोजना रिपोर्टें (डीपीआर) प्रारंभ करने के लिए प्राथमिकता वाले सम्‍पर्कों के तौर पर अभिज्ञात किया गया है । प्राथमिकता वाले एक सम्‍पर्क अर्थात केन-बेतवा की डीपीआर पूरी कर ली गई है और पक्षकार राज्‍यों को भेज दी गई है। संबंधित राज्‍यों की टिप्‍पणियों के आलोक में एनडब्‍ल्‍यूडीए ने प्रस्‍तावों में संशोधन और अंतिम विस्‍तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करनी प्रारंभ कर दी है । यह निर्णय लिया गया है कि परियोजना की डीपीआर दो चरणों में तैयार की जाएगी । प्राथमिकता वाले एक संपर्क अर्थात केन-बेतवा (चरण-।) की डीपीआर पूरी कर ली गई है तथा एनडब्‍ल्‍यूडीए ने संपर्क परियोजना के चरण-।। का सर्वेक्षण एवं अन्‍वेषण कार्य प्रारंभ कर दिया है । केन-बेतवा संपर्क परियोजना, राष्‍ट्रीय परियोजनाओं की सूची में शामिल कर ली गई है।

इसके अतिरिक्‍त, संबंधित राज्‍यों की सहमति प्राप्‍त होने के बाद, एनडब्‍ल्‍यूडीए ने दो और प्राथमिकता वाले संपर्कों नामश: पार-तापी-नर्मदा एवं दमनगंगा-पिंजाल की डीपीआर प्रारंभ की है । इन दोनों संपर्कों की डीपीआर तैयार करने के लिए गुजरात, महाराष्‍ट्र के मुख्‍यमंत्रियों और केन्‍द्रीय जल संसाधन मंत्री के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर दिनांक 03.05.2010 को माननीय प्रधानमंत्री की उपस्थिति में हस्‍ताक्षर किए गए थे । इन संपर्कों की डीपीआर प्रगति पर है ।

प्राथमिकता वाले अन्‍य संपर्क नामत: पार्वती-कालीसिंध-चंबल की डीपीआर तैयार करने हेतु संबंधित राज्‍यों मध्‍य प्रदेश और राजस्‍थान के साथ बातचीत करके सहमति बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं ।

अन्‍य प्राथमिकता वाला संपर्क अर्थात गोदावरी (पोलावरम)-कृष्‍णा (विजयवाड़ा), आंध्र प्रदेश की पोलावरम परियोजना का हिस्‍सा है । आंध्र प्रदेश सरकार ने उपर्युक्‍त परियोजना, संपर्क घटक सहित अपनी स्‍वयं की आयोजना के अनुरूप प्रारंभ किया है ।

राज्‍यों द्वारा प्रस्‍तावित अंत:राज्‍यीय संपर्कों की साध्‍यतापूर्व/साध्‍यता रिपोर्टें तैयार करने को राज्‍य सरकारों के परामर्श से नवम्‍बर, 2006 में एनडब्‍ल्‍यूडीए के कार्यों में शामिल कर लिया गया था। एनडब्‍ल्‍यूडीए ने उनके द्वारा आगे और अध्‍ययन करने के लिए सभी राज्‍यों/केन्‍द्र शासित प्रदेशों से अंत:राज्‍यीय संपर्कों का ब्‍यौरा सूचित करने का आग्रह किया है । एनडब्‍ल्‍यूडीए को अब तक 7 राज्‍यों अर्थात महाराष्‍ट्र, गुजरात, झारखंड, उड़ीसा, बिहार, राजस्‍थान तथा तमिलनाडु के अंत:-राज्‍य सम्‍पर्कों के 36 प्रस्‍ताव प्राप्‍त हुए हैं । इनमें से एनडब्‍ल्‍यूडीए ने सितम्‍बर, 2012 तक 21 अंत: राज्‍य सम्‍पर्कों की साध्‍यता पूर्व रिपोर्टें (पीएफआर) पूरी कर ली हैं ।

बिहार सरकार के अनुरोध पर बिहार के 2 अंत:राज्‍यीय संपर्कों की डीपीआर भी तैयार की जा रही है। बिहार सरकार की अपेक्षानुसार, एनडब्‍ल्‍यूडीए ने बूढ़ी गंडक-नोन-बया-गंगा संपर्क की प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली है और बिहार सरकार को भेज दी है । कोसी-मेची की प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट भी पूरी कर ली गई और बिहार सरकार को भेज दी गई है।

राज्‍य सरकारों से प्राप्‍त अंत:राज्‍य सम्‍पर्क प्रस्‍तावों के ब्‍योरों के साथ-साथ उनकी स्थिति और उनकी व्‍यवहार्यता-पूर्व रिपोर्टें पूरी किए जाने का लक्ष्‍य **अनुलग्‍नक-।।** पर दिया गया है ।

इसके अतिरिक्‍त 10 प्रस्‍ताव (बिहार से 3, कर्नाटक से 6 और छत्‍तीसगढ़ से 1) और प्राप्‍त हुए हैं । इनके संबंध में आगे और अध्‍ययन करने के लिए इनकी उपयुक्‍तता की जांच की जा रही है।

(ख) पीएफआर/एफआर के अनुसार अंतर्राज्‍यीय परियोजनाओं की प्रारंभिक लागत 2002 के मूल्‍य स्‍तर पर 5.60 लाख करोड़ रूपए थी । प्रत्‍येक परियोजना की लागत को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है । परियोजना के लिए अधिग्रहित की जाने वाली अपेक्षित भूमि की लागत समेत इनकी वर्तमान लागत परियोजनाओं की डीपीआर पूरी होने के बाद ही प्राक्‍कलित की जा सकती है ।

(ग) वर्तमान वित्‍तीय वर्ष 2012-13 के लिए साध्‍यता रिपोर्टें और विस्‍तृत परियोजना रिपोर्टें तैयार करने हेतु 51.30 करोड़ रूपए की बजटीय व्‍यवस्‍था है । नदियों को परस्‍पर जोड़ने के कार्यक्रम के तहत एफआर एवं डीपीआर पर एनडब्‍ल्‍यूडीए के प्रारंभ से अक्‍तूबर, 2012 तक 378.96 करोड़ रूपए खर्च किए गए हैं । परियोजनावार हुए खर्च का ब्‍यौरा नहीं रखा जाता है ।

(घ) नदियों को परस्‍पर जोड़ने की परियोजना अभी आयोजना चरण में है । सिंचाई और जल विद्युत उत्‍पादन, परियोजनाओं का कार्यान्‍वयन के बाद ही प्रारंभ होगा ।

**नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी परियोजना के संबंध में राज्‍य सभा में दिनांक 03.12.2012 को उत्‍तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्‍न सं. 1066 के भाग (क) के उत्‍तर में उल्लिखित अनुलग्‍नक-।**

एनडब्‍ल्‍यूडीए द्वारा साध्‍यता रिपोर्टों (एफआर) की तैयारी हेतु अभिज्ञात जल अंतरण संपर्कों की स्थिति

प्रायद्वीपीय नदी विकास घटकú

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 1 | महानदी (मणिभद्रा)-गोदावरी (दोलेश्‍वरम) संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 2 | गोदावरी (पोलावरम)-कृष्‍णा (विजयवाड़ा) संपर्क\* | एफआर पूरी की गई (राज्‍य द्वारा उनके स्‍वयं के प्रस्‍ताव के अनुसार शुरू की गई) |
| 3 | गोदावरी (इंचमपल्‍ली)-कृष्‍णा (पुलिचिंताला) संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 4 | गोदावरी (इंचमपल्‍ली)-कृष्‍णा (नागार्जुन सागर) संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 5 | कृष्‍णा (नागार्जुन सागर)-पेन्‍नार (सोमसिला) संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 6 | कृष्‍णा (श्रीसैलम)-पेन्‍नार संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 7 | कृष्‍णा (अलमट्टी)- पेन्‍नार संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 8 | पेन्‍नार (सोमसिला)-कावेरी (ग्रैण्‍ड एनीकट) संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 9 | कावेरी (कट्टालाई)-वैगई-गुन्‍डार संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 10 | पार्वती-कालीसिंध-चंबल संपर्क\* | एफआर पूरी की गई |
| 11 | दमनगंगा-पिंजाल संपर्क\* | एफआर पूरी की गई एवं डीपीआर शुरू की गई |
| 12 | पार-तापी-नर्मदा संपर्क\* | एफआर पूरी की गई एवं डीपीआर शुरू की गई |
| 13 | केन-बेतवा संपर्क\* | **चरण-। की डीपीआर पूरी की गई** |
| 14 | पंबा-अचनकोबिल-वैप्‍पार संपर्क | एफआर पूरी की गई |
| 15 | नेत्रावती-हेमावती संपर्क | पीएफआर पूरी की गई |
| 16 | बेदती-वर्धा संपर्क | एफआर प्रारंभ किए गए |

**हिमालयी नदी विकास घटक**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 1. | कोसी-मेची संपर्क | पूरी तरह से नेपाल में स्थित |
| 2. | कोसी-घाघरा संपर्क | एस एवं आई कार्य प्रारंभ किए गए |
| 3. | गंडक-गंगा संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 4. | घाघरा-यमुना संपर्क | एफआर पूरी की गई (भारतीय भाग के लिए) |
| 5. | सारदा-यमुना संपर्क | एफआर पूरी की गई (भारतीय भाग के लिए) |
| 6. | यमुना-राजस्‍थान संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 7. | राजस्‍थान-साबरमती संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 8. | चुनार-सोन बैराज संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 9. | सोन बांध-गंगा संपर्क की दक्षिणी वितरिकाएं | एस एवं आई कार्य प्रारंभ किए गए |
| 10. | मानस-संकोश-तीस्‍ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) संपर्क | एस एवं आई कार्य प्रारंभ किए गए |
| 11. | जोगीघोपा (ब्रह्मपुत्र पर)-तीस्‍ता-फरक्‍का (एम-एस-टी-जी प्रत्‍यावर्ती) संपर्क | एस एवं आई कार्य प्रारंभ किए गए |
| 12. | फरक्‍का-सुंदरवन संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 13. | गंगा-दामोदर-सुवर्णरेखा संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |
| 14. | सुवर्णरेखा-महानदी संपर्क | एस एवं आई कार्य पूरे किए गए |

\* प्राथमिकता संपर्क

पीएफआर-साध्‍यता पूर्व रिपोर्ट; एफआर-साध्‍यता रिपोर्ट; डीपीआर-विस्‍तृत परियोजना रिपोर्ट

एस एवं आई- भारतीय भाग में सर्वेक्षण एवं अन्‍वेषण

**नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी परियोजना के संबंध में पूछे गए राज्‍य सभा में दिनांक 03.12.2012 को उत्‍तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्‍न सं. 1066 के भाग (क) के उत्‍तर में उल्लिखित अनुलग्‍नक**

**राज्‍य सरकारों से प्राप्‍त हुए अंत:राज्‍य संपर्क प्रस्‍तावों की स्थिति**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **अंत:राज्‍य संपर्क का नाम** | **पीएफआर की वर्तमान स्थिति/पूर्ण होने का लक्ष्‍य** |
|  | **महाराष्‍ट्र** |  |
| 1. | वेनगंगा (गोसीखुर्द)-नलगंगा (पूर्णा तापी)  (वेनगंगा-पश्चिमी विदर्भ एवं प्राणहिता-वर्धा संपर्कों का आमेलन किया गया और कानन-वर्धा संपर्क के माध्‍यम से विस्‍तारित किया गया) | पूर्ण |
| 2. | वेनगंगा-मंजरा घाटी | पूर्ण (व्‍यवहार्य नहीं पाई गई) |
| 3. | ऊपरी कृष्‍णा-भीमा (छह संपर्कों की प्रणाली) | पूर्ण |
| 4. | ऊपरी घाट-गोदावरी घाटी (दमनगंगा (एकदार) गोदावरी घाटी) | पूर्ण |
| 5. | ऊपरी वैतरणा-गोदावरी घाटी | पूर्ण |
| 6. | उत्‍तरी कोंकण-गोदावरी घाटी | पूर्ण |
| 7. | कोयना-मुंबई सिटी | 2012 -13 @ |
| 8. | श्रीराम सागर परियोजना (गोदावरी)-पूर्णा-मंजिरा | \* |
| 9. | वेनगंगा (गोसीखुर्द)-गोदावरी (एसआरएसपी) | महाराष्‍ट्र सरकार द्वारा वापस ली गई |
| 10. | मध्‍य कोंकण-भीमा घाटी | 2013-14 |
| 11. | कोयना-नीरा | 2012-13 |
| 12. | मुल्‍सी-भीमा | पूर्ण |
| 13. | सावित्री-भीमा | \* |
| 14. | कोल्‍हापुर-सांगली-संगोला | 2012 -13@ |
| 15. | तापी बेसिन और जलगांव जिले की नदी संपर्क परियोजनाएं | 2013-14 |
| 16. | नार-पार-गिरना घाटी | पूर्ण |
| 17. | नर्मदा-तापी | 2013-14 |
| 18. | खरियागुट्टा-नवाथा सतपुड़ा फुट हिल्‍स | \* |
| 19. | खरिया घुटी घाट-तापी | \* |
| 20. | जिगांव-तापी-गोदावरी घाटी | 2013-14 |
|  | **गुजरात** |  |
| 21. | दमनगंगा-साबरमती-चोरवाड | पूर्ण |
|  | **उड़ीसा** |  |
| 22. | महानदी-ब्राह्मणी | पूर्ण |
| 23. | महानदी-रूसीकुल्‍या (बरमुल परियोजना) | 2012 - 13 |
| 24. | वम्‍सधारा-रूसीकुल्‍या (नंदिनी नल्‍ला परियोजना) | 2012 – 13@ |
|  | **झारखंड** |  |
| 25. | दक्षिणी कोयल-सुवर्णरेखा | पूर्ण |
| 26. | शंख-दक्षिणी कोयल | पूर्ण |
| 27. | बरकार-दामोदर-सुवर्णरेखा | पूर्ण |
|  | **बिहार** |  |
| 28. | कोसी-मेची (पूर्ण रूप से भारत में स्थित) | पूर्ण |
| 29. | बाढ-नवादा | पूर्ण |

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 30. | कोहरा-चन्‍द्रावत (अब कोहरा-लालबेगी) | पूर्ण |
| 31. | बूढ़ी गंडक-नोन-बया-गंगा | पूर्ण |
| 32. | बूढ़ी गंडक-बागमती (बेलवाधर) | पूर्ण |
| 33. | कोसी-गंगा | पूर्ण |
|  | **राजस्‍थान** |  |
| 34. | माही-लूनी संपर्क | 2012 -13 |
| 35. | वाकल-साबरमती-सेई-पश्चिमी बनास-कामेरी संपर्क | पूर्ण |
|  | **तमिलनाडु** |  |
| 36. | पोनाइयर-पालार संपर्क | पूर्ण |

\* लक्ष्‍य, संबंधित राज्‍यों के साथ परामर्श से निर्धारित किये जा रहे हैं ।

@ पीएफआर तैयार की गई और टिप्‍पणियों हेतु राज्‍य सरकारों को भेजी गई ।